भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1145
दिनांक 08 दिसंबर, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

क्षय रोग का उन्मूलन

1145. श्री रवनीत सिंह:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक क्षय रोग रिपोर्ट 2023 के अनुसार विश्व में क्षय रोग (टीबी) के कुल मामलों में से 27 प्रतिशत मामले भारत में हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने देश में क्षय रोग के उन्मूलन के लिए कोई लक्ष्य तिथि निर्धारित की है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या प्रगति हुई है; और
(ङ) क्या सरकार ने देश में क्षय रोग के कारण वित्तीय प्रभाव के संबंध में कोई सर्वेक्षण कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ भारती प्रविण पवार)

(क) से (ङ): विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रकाशित वैश्विक क्षयरोग रिपोर्ट 2023 के अनुसार, वर्ष 2022 में भारत में क्षय रोग के अनुमानित मामले 28 लाख थे, जो 106 लाख के वैश्विक भार का 26.4% है।

वैश्विक लक्ष्यों से पांच वर्ष पूर्व वर्ष 2025 तक क्षय रोग से संबंधित सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ सरकार ने निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) कार्यान्वित किया है -

1) टीबी रोगियों का शीघ्र निदान, गुणवत्ता आश्वस्त औषधियां और उपचार पद्धति द्वारा शीघ्र उपचार।
2) निजी क्षेत्र में परिचर्या की मांग करने वाले रोगियों के साथ जुड़ना।
3) उच्च जोखिम/भेद्य आबादी में सक्रिय मामलों का पता लगाने और संपर्क का पता लगाने सहित रोकथाम की कार्यनीतियां।
4) वायु जनित संक्रमण नियंत्रण।

5) नि:क्षय मित्र पहल जिसके अंतर्गत अतिरिक्त पोषण, निदान और व्यावसायिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए व्यक्ति, कॉर्पोरेट या संगठन सहमति प्राप्त टीबी रोगियों को गोद लेते हैं।
6) आयुष्मान भव स्वास्थ्य शिविर के दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से भेद्य आबादी की स्क्रीनिंग

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रकाशित वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारत में टीबी होने की दर वर्ष 2015 में प्रति 100,000 आबादी पर 237 से 16% घटकर वर्ष 2022 में प्रति 100,000 आबादी पर 199 हो गई है। इसी अवधि के दौरान, टीबी मृत्यु दर वर्ष 2015 में प्रति लाख आबादी में 28 से 18% घटकर वर्ष 2022 में प्रति लाख आबादी में 23 हो गई है।

इस कार्यक्रम के तहत, देश में टीबी रोगियों के वित्तीय भार को कम करने के लिए सभी जन स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों पर रोगियों को नि:शुल्क जांच, नि:शुल्क निदान/परीक्षण और नि:शुल्क औषधियां उपलब्ध कराई जाती है । इसके अलावा सरकार निक्षय पोषण योजना (एनपीवाई) के अंतर्गत क्षय रोग का उपचार करा रहे लोगों को पोषण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। एनपीवाई के तहत अब तक 2617.44 करोड़ रुपये लाभार्थियों को वितरित किए गए हैं।